प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 20 (2019–20)

हिन्दी – अ (कोड–002)

कक्षा–10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 10

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहाँ एक तरफ भौतिक समृद्धि अपनी ऊँचाई पर है, तो दूसरी तरफ चारित्रिक पतन की गहराई है। आधुनिकीकरण में उलझा मानव सफलता की नित नई परिभाषाएँ खोजता रहता है और अपनी अंतहीन इच्छाओं के रेगिस्तान में भटकता रहता है। ऐसे समय में सच्ची सफलता और सुख–शांति की प्यास से व्याकुल व्यक्ति अनेक मानसिक रोगों का शिकार बनता जा रहा है। हममें से कितने लोगों को इस बात का ज्ञान है कि जीवन में सफलता प्राप्त करना और सफल जीवन जीना, यह दोनों दो अलग–अलग बातें हैं। यह जरूरी नहीं कि जिसने अपने जीवन में साधारण कामनाओं को हासिल कर लिया हो, वह पूर्णतः संतुष्ट और प्रसन्न भी हो। अतः हमें गंभीरतापूर्वक इस बात को समझना चाहिए कि इच्छित फल को प्राप्त कर लेना ही सफलता नहीं है। जब तक हम अपने जीवन में नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों का सिंचन नहीं करेंगे, तब तक यथार्थ सफलता पाना हमारे लिए मुश्किल ही नहीं, अपितु असंभव कार्य हो जाएगा, क्योंकि बिना मूल्यों के प्राप्त सफलता केवल क्षणभंगुर सुख के समान रहती है।

कुछ निराशावादी लोगों का कहना है कि हम सफल नहीं हो सकते, क्योंकि हमारी तकदीर या परिस्थितियाँ ही ऐसी हैं। परंतु यदि हम अपना ध्येय निश्चित करके उसे अपने मन में बिठा लें, तो फिर सफलता स्वयं हमारी ओर चलकर आएगी। सफल होना हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, परंतु यदि हम अपनी विफलताओं के बारे में ही सोचते रहेंगे, तो सफलता को कभी हासिल नहीं कर पाएँगे। अतः विफलताओं की चिंता न करें, क्योंकि वे तो हमारे जीवन का सौंदर्य हैं और संघर्ष जीवन का काव्य है, कई बार प्रथम आघात में पत्थर नहीं टूट पाता, उसे तोड़ने के लिए कई आघात करने पड़ते हैं, इसलिए सदैव अपने लक्ष्य को सामने रख आगे बढ़ने की जरूरत है। कहा भी गया है कि जीवन में सकारात्मक कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

1. मनुष्य के मानसिक रोग और अशांति का कारण किसे माना गया है? 2
2. सफलता पाना और सफल जीवन जीना दोनों बातें अलग कैसे हैं? 2
3. गद्यांश में जीवन का सौंदर्य और संघर्ष किसे बताया गया है? क्यों? 2
4 पत्थर का उदाहरण क्यों दिया गया है? 2
5. आशय स्पष्ट कीजिए– ''संघर्ष जीवन का काव्य है।'' 1
6. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. अक्षय प्रतिदिन पढ़ता है और उसका भाई खेलता है। (वाक्य का प्रकार बताइए)
2. वह घर जाते ही काम में लग गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)
3. जब तुम मुझसे मिले थे, तब मैं मोटा था। (रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए)
4. यदि वह आए, तुम छिप जाना। (सरल वाक्य में बदलिए)

3. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए। $1 \times 4 = 4$

1. इतनी गर्मी में कैसे बैठा जाए। (भाववाच्य में बदलिए)
2. नेताजी द्वारा देश के लिए सब कुछ त्याग दिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)
3. कर्मवाच्य का एक वाक्य लिखिए। (वाच्य का भेद बताइए)
4. मुझसे पत्र लिखा जाएगा। (कर्मवाच्य में बदलिए)

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. मुझे कल गाँव जाना है।
2. राम ने रावण को मारा।
3. मीरा प्रसिद्ध कवयित्री हैं।
4. शीत ऋतु में हिमालय बर्फ से ढक जाता है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $1 \times 4 = 4$

1. अति रस बोले वचन कठोर।
   बेगि देखाऊ मूढ़ न आजू।।
   पंक्ति में निहित रस का नाम लिखिए।
2. वीर रस का एक उदाहरण दीजिए।
3. काव्यांश पढ़कर रस पहचानकर लिखिए-
   'जब धूमधाम से जाती है बारात किसी की सज-धज कर
   मन करता धक्का दे दूल्हें को, जा बैठूँ घोड़ी पर।।'
4. जब विभाव, अनुभाव और संचारी भाव के संयोग से 'रति' स्थायी भाव आस्वाद्य हो जाता है तो उसे कौनसा रस कहते हैं?
5. वात्सल्य रस का अनुभाव लिखिए।

खण्ड-ग (पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक) 34

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 6

''भारत जाने की बात क्यों उठी?''

''नहीं जानता, बस मन में यह था।'' उनकी शर्त मान ली गई और वह भारत आ गए। पहले 'जिसेट संघ' में दो साल पादरियों के बीच धर्माचार की पढ़ाई की। फिर 9-10 वर्ष दार्जिलिंग में पढ़ते रहे। कलकत्ता (कोलकाता) से बी.ए. किया और फिर इलाहाबाद से एम.ए.। उन दिनों डॉ. धीरेंद्र वर्मा हिंदी विभाग के अध्यक्ष थे। शोधप्रबंध प्रयोग विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में रहकर 1950 में पूरा किया- 'रामकथाः उत्पत्ति और विकास।' 'परिमल' में उसके अध्याय पढ़े गए थे। फादर ने मातरलिंक के प्रसिद्ध नाटक 'ब्लू बर्ड' का रूपांतर भी किया है। 'नीलपंछी' के नाम से। बाद में यह सेंट जेवियर्स कॉलेज, राँची में हिंदी तथा संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष हो गए और यहीं उन्होंने अपना प्रसिद्ध अंग्रेजी-हिंदी कोश तैयार किया और बाइबिल का अनुवाद भी ..... और वहीं बीमार पड़े, पटना आए। दिल्ली आए और चले गए-47 वर्ष देश में रहकर और 73 वर्ष की जिंदगी जीकर।

1. गद्यांश से फादर की क्या विशेषता प्रकट होती है? 2
2. फादर की रचनाओं का विवरण दीजिए। 2
3. फादर भारतीय संस्कृति के एक अभिन्न अंग हैं। कैसे? 2

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए- $2 \times 4 = 8$

1. लेखक ने नवाब साहब की असुविधा के कारण का क्या अनुमान लगाया?
2. बालगोबिन भगत की मृत्यु को गौरवशाली मृत्यु कैसे कहेंगे?
3. पान वाले का एक रेखाचित्र पाठ नेताजी का चश्मा के आधार पर प्रस्तुत कीजिए।
4. काशी में होने वाले कौन-से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते हैं?
5. लेखिका के पिता किस तरह के अंतर्विरोधों के बीच जीते थे?

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 6

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज में राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढ़ाँढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी–कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है
गाया जा चुका राग
और उसकी आवाज में जो एक हिचक साफ सुनाई देती है
या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है
उसे विफलता नहीं
उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।

1. संगतकार किन विषम परिस्थितियों में मुख्य गायक का साथ देता है? किन्हीं दो स्थितियों का उल्लेख कीजिए। 2
2. तारसप्तक में गाने के कारण कई बार गायक को कैसा अनुभव होता है? 2
3. संगतकार का मंद स्वर में गाना उसकी मनुष्यता कैसे है? 2

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए– $2 \times 4 = 8$

1. अट नहीं रही कविता का सारांश लिखिए।
2. गोपियों ने किन उदाहरणों द्वारा उद्‌भव पर व्यंग्य किया है?
3. 'लड़की अभी सयानी नहीं थी' 'कन्यादान' कविता में कवि ने ऐसा क्यों कहा है?
4. फसल को सही स्वरूप प्रदान करने में किन–किन तत्वों का महत्व है?
5. परशुराम ने लक्ष्मण की शिकायत विश्वामित्र से ही क्यों की?

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए– $3 \times 2 = 6$

1. पाठ 'माता का अँचल' में माता–पिता का बच्चे के प्रति व्यक्त वात्सल्य को अपने शब्दों में लिखिए।
2. 'अतिथि देवो भव' भारतीय संस्कृति का मूल तत्व है। उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर भारत आनेवाले अतिथियों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए?
3. घुमक्कड़ी हमें 'स्व' की संकीर्णता से मुक्त करती है, तथा एक–दूसरे से जुड़ना सिखाती है। यह कथन कहाँ तक सत्य है?

खण्ड–घ (लेखन) 20

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए– 10

(1) सिनेमा का समाज पर प्रभाव

संकेत बिन्दु : ✲ भूमिका ✲ आधुनिक समय में सिनेमा की भूमिका ✲ सिनेमा एवं व्यवसाय के मध्य संबंध ✲ उपसंहार

(2) अनेकता में एकता–हिंद की विशेषता

संकेत बिन्दु : ✲ भूमिका ✲ विभिन्न स्तरों पर एकता ✲ एकता के विभिन्न रूप ✲ उपसंहार

(3) मीडिया का वर्चस्व

संकेत बिन्दु : ✲ भूमिका ✲ मीडिया की उपयोगिता ✲ मीडिया के प्रशंसनीय कार्य ✲ उपसंहार

12. अपने पिताजी को एक पत्र लगभग 80–100 शब्दों में लिखकर उन्हें अपनी पढ़ाई की प्रगति से अवगत कराइए। 5

अथवा

आपके विद्यालय में खेल–कूद के सामान का अभाव है इसकी ओर ध्यान दिलाते हुए प्रधानाध्यापक को एक आवेदन पत्र लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

13. सेठ लक्ष्मी नारायण स्मृति संस्थान, सीकर रक्तदान शिविर का आयोजन कर रहा है। आपको संस्था के सदस्य होने के नाते इस आयोजन के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी दी गई है। लगभग 25-50 शब्दों में रक्तदान करने को प्रेरित करता हुआ एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

5

अथवा

तंबाकू उत्पादों के खतरे के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए एवं इसके खतरों को बताते हुए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

Download Solved Version of this unsolved paper from
www.cbse.online

WWW.CBSE.ONLINE

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.